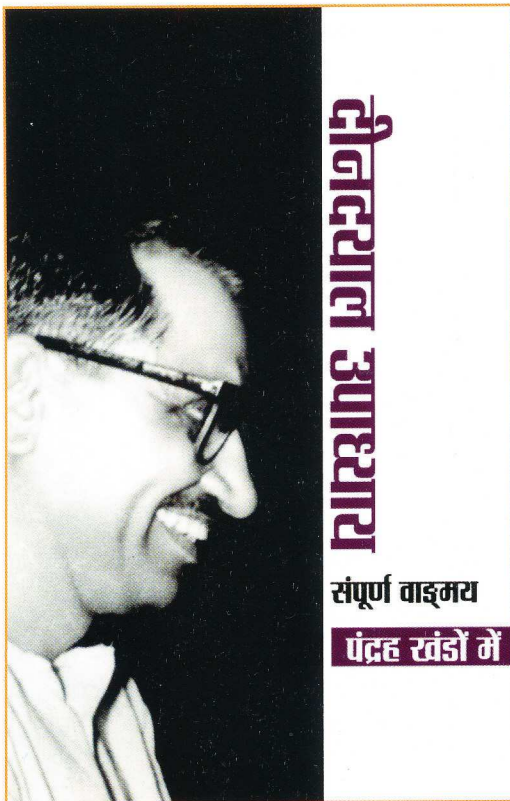
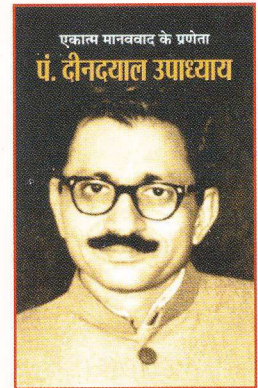
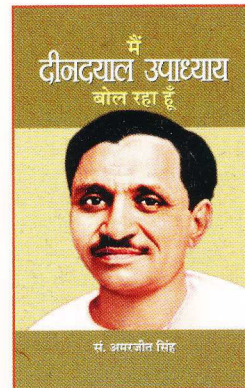
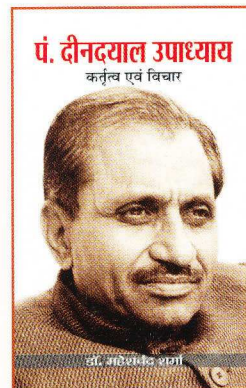
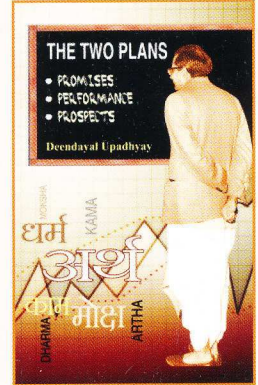
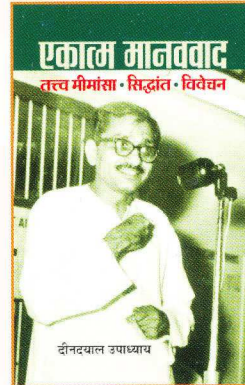


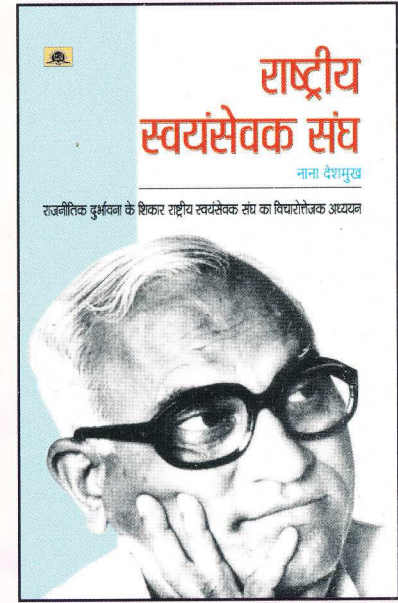
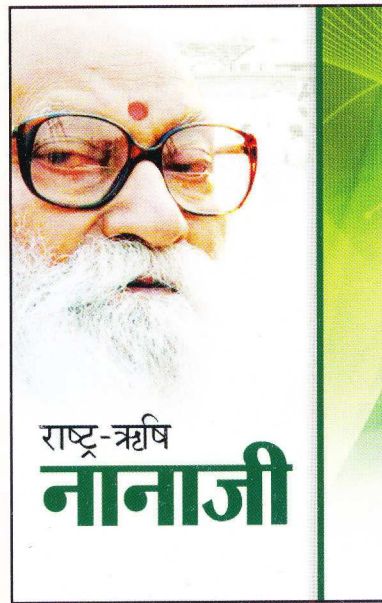
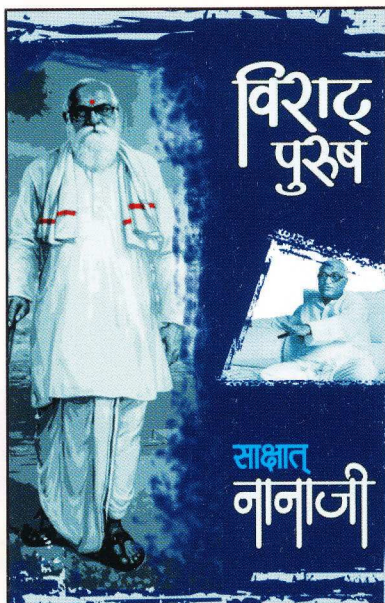
पं. दीनदयाल उपाध्याय का साहित्य



15
खंडों का सैट
डिमाई आकार के
5300 से अधिक पृष्ठ
दुर्लभ चित्रों के
80 रंगीन पृष्ठ



नानाजी देशमुख का साहित्य



(6 खंडों का सैट)